



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

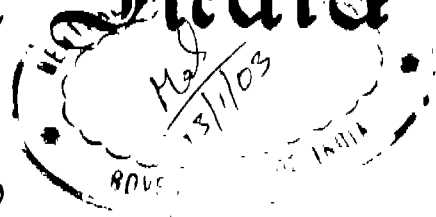
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 241]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 29, 2002/ज्येष्ठ 8, 1924

No. 241]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 29, 2002/JYAISTHA 8, 1924

विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 29 मई, 2002

सा.का.नि. 384(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 26-7-2001 में प्रकाशित भारत सरकार के विधि, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 555 (अ) तारीख 26-7-2001 में पृष्ठ 5 पर पंक्ति 1 में, "(ज) (i)" के स्थान पर "(झ) (i)" पढ़ें।

[फा. सं. 5/7/2000-सी.एल.-5]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th May, 2002

G.S.R. 384 (E).—In the notification of the Government of India, Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Company Affairs) vide GSR 555(E) dated 26-7-2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 26-7-2001, in page 9, in line 13, for "(h)(i)" read "(i)(i)".

[F. No. 5/7/2000-CL. V]

RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.

